

TO BE PUBLISHED IN PART-II SECTION 3(h) OF THE GAZETTE OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NEW DELHI, THE

18/8/ 1999

NOTIFICATION
(INCOME TAX)

S.O. No. In exercise of the powers conferred by the sub-clause (iv) of clause(23C) of section 10 of the Income-tax Act,1961(43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "South Central Zone Cultural Centre, Nagpur" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1997-98 subject to the following conditions, namely:

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

Bhadra
(SAMAR BHADRA)

UNDER SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA

NOTIFICATION NO. 1033

(E.NO. 197/60/99-ITA-I)

To

The Manager,
Government of India Press,

ਭਾਰਤ ਦੇ ਰਾਣਿਪੜ ਦੇ ਮਾਮ II, ਅਨੁ 3੪੧੧੪ ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨਾਈ

भारत सरकार
धित्त पंत्रात्म्य
राजस्थ विभाग

नई दिल्ली, निवासिक

1818199

अधिधर्मपत्र

॥ गाप-कर ॥

प्राप्ति द्वारा उत्तराधिकारी अधिकारी अधिकारी के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है, अप्रति:-

चार-चिंपाचीरंगी इसकी गाय का इस्तेहात अपना इतकी गाय या इस्तेमाल करने के लिए इसका राधान पूर्णतया तथा उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनकी इसकी उपायता की गई है;

१०८ इसका स्थापना का ग्रन्थ, कर निपरिण वर्षों से संगत पूर्वपर्ति वर्षों की
प्रियतीर्ति उपर उल्लिखित कर निपरिण वर्षों से संगत पूर्वपर्ति वर्षों की
प्रियतीर्ति ग्रन्थ के दौरान पारा ॥ की उपपारा ५५ में विजिर्दिष्ट, विक्री
एक ग्रन्थांशः से, अधिक दंग ग्रन्थांशः से विन तरीकों से उनकी निपरि-
ण एक ग्रन्थांशः से, अधिक दंग ग्रन्थांशः से विन तरीकों से उनकी निपरि-
ण एक ग्रन्थांशः से, अधिक दंग ग्रन्थांशः से विन तरीकों से उनकी निपरि-
ण एक ग्रन्थांशः से, अधिक दंग ग्रन्थांशः से विन तरीकों से उनकी निपरि-
ण एक ग्रन्थांशः से, अधिक दंग ग्रन्थांशः से विन तरीकों से उनकी निपरि-

पह अधिकृपनां पिरसि ऐसी गाय के संरक्षण में लागू नहीं होगी, जोकि कारबाह
से प्राप्त लागू तथा अभिलाभ हो, जब वह इस ऐसा कारबाह उन्नत बार-
निधारीकी हो। उद्देश्यों की प्राप्ति के तिथ प्रारंभिक नहीं हो तथा ऐसे कार-
के संरक्षण में गला रे लेखा-पुरितकाएं नहीं रखी जाती हों ।

三

४ सागर भट्टौ

अहर राधिव, भारत संस्कार

Digitized by srujanika@gmail.com

ફોર્મ નં. 197/60/99 - આ.ક. નિ.એ.

10 of 10

Digitized by

प्राची यज्ञार्थ पूर्वप्रतिप,